‘चुनाव आयोग का रवैया भाजपा के पक्ष में रहता है’

विपक्ष के, कांग्रेस, सी.पी.आई. व सी.पी.एम. ने प्र.मंत्री मोदी द्वारा आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों में कहा

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। चुनाव आयोग पर विपक्ष का यह आरोप है कि वह "पक्षपाती" है पूरी तरह से गलत नहीं लगता है। वर्ष 2019 से अब तक विपक्षी पार्टियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने के खिलाफ कम से कम 27 शिकायतें दर्ज करवाई है। अब तक इनमें से एक पर भी चुनाव आयोग द्वारा ठोस कार्यवाही नहीं की गई है। इसके विपरीत चुनाव आयोग के बारे में ऐसा प्रतीत होता है। वह विपक्षी नेताओं को आगे बढ़कर तेजी से नोटिस जारी कर रहा है। 21 अप्रेल को चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को नोटिस दिया था जिसमें उनसे कहा गया था कि वे उनकी पार्टी के नये गाने से "जय भवानी" व "हिन्दू" शब्द हटा दें।

- इन नेताओं के अनुसार, प्र.मंत्री के खिलाफ विपक्ष द्वारा 27 शिकायतें की गई हैं, "मॉडल कोड ऑफ कन्डक्ट" का उल्लंघन करने के मामलों में।
- पर, चुनाव आयोग ने केवल एक शिकायत पर कार्यवाही का नोटिस दिया है, वह भी पार्टी अध्यक्ष नड्डा को संबोधित करके।
- जबकि उद्धव ठाकरे, राहुल गांधी तथा केजरीवाल को तुरन्त सीधा नोटिस थमा दिया था तथा नवजोत सिंह सिद्धू पर तो 72 घंटे तक प्रचार न करने की पाबंदी लगायी थी।

पिछले साल नवम्बर में चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इस बात के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए उनके लिए "पनौती" जेब काटने वाला और मित्रों का ऋण माफ करने वाला जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। आप पार्टी के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल को इस बात के लिए नोटिस जारी किया था कि उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री का "अपमान" किया था।

वर्ष 2019 में, ई.सी. ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नवजोत सिंह सिद्धू पर 72 घंटे तक प्रचार करने पर प्रतिबंध इसलिए लगा दिया था क्योंकि उन्होंने बिहार की एक सभा में मुस्लिमों को सचेत करते हुए कहा था कि "वे लोग जनता के बीच में ए.आई.एम.आई.एम. के अध्यक्ष असद्दुदीन ओवैसी जैसे नेताओं को लाकर आपको आपस में विभाजित कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री के खिलाफ विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग में 27 शिकायतों के मामले दर्ज करवाए थे उसमें से 12 मामले साम्प्रदायिकतापूर्ण भाषण देने के थे, 8 मामलों में सशस्त्र बलों से कहा गया था कि वे वोट डालने के लिए कहें, एक मामला राजनीतिक विज्ञापन में सरकारी योजनाओं की सूचना के प्रयोग का था। इसके साथ ही एक शिकायती मामला धर्म के आधार पर वोट मांगने का, एक मामला सरकार के मंत्रालयों से चुनाव प्रचार के लिए भाषण तैयार कराने का, एक चुनाव प्रचार में अवयस्क बच्चों के उपयोग एवं एक "प्रचार बंद काल" के उल्लंघन का था जिसमें चुनाव से पूर्व चुनाव निषेध होता है।

प्रधानमंत्री के नाम का उल्लेख किए बगैर, चुनाव आयोग ने सिर्फ एक शिकायत पर कार्यवाही करते हुए भाजपा के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को इस बात के लिए एक नोटिस दिया जो उनके "स्टार चुनाव प्रचारक" के भाषण से संबंधित था, "जो कि आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित हो सकता है।"

कांग्रेस, सी.पी.एम., सी.पी.आई., एम.एल. की शिकायतों के आधार पर नोटिस दिया गया था। इन दलों ने आरोप लगाया गया है कि प्रधानमंत्री ने हाल ही में आयोजित जनसभाओं में "साम्प्रदायिकतापूर्ण भाषण" दिया था, अपने भाषण में मोदी ने कहा था कि अगर इंडिया गठबंधन का सत्ता में लाने के लिए वोट दिया तो कांग्रेस भारतीय नागरिकों की सम्पत्ति को "घुसपैठियों" में बांट देगी।

जानेमाने वकील उज्जवल निकम को भाजपा ने मुंबई से टिकट दिया

नई दिल्ली 27 अप्रैल (वार्ता)। भाजपा ने मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा सीट से इस बार जाने माने वकील उज्ज्वल निकम को उम्मीदवार घोषित किया है। भाजपा ने लोकसभा उम्मीदवारों की 15वीं सूची घोषित की जिसमें मुंबई उत्तर मध्य सीट से मौजूदा सांसद पूनम महाजन की जगह निकम को उम्मीदवार घोषित किया है। निकम ने वर्ष 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले में पकड़े गये पाकिस्तानी आतंकी अजमल कसाब को फांसी दिलवाने में बतौर सरकारी वकील अहम भूमिका निभायी थी। उन्होंने 1993 के बम धमाकों, गुलशन कुमार हत्याकांड जैसे हाई प्रोफाइल मामलों में भी सरकारी पक्ष की सफलता पूर्वक पैरवी की थी।

- निकम ने वर्ष 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले में पकड़े गये पाकिस्तानी आतंकी अजमल कसाब को फांसी दिलवाने में बतौर सरकारी वकील अहम् भूमिका निभायी थी। इसके अलावा वे गुलशन कुमार हत्याकांड जैसे कई हाई प्रोफाइल केस लड़ चुके हैं।

एन.सी.बी. ने राजस्थान में 300 करोड़ रुपये की नशीली दवा जब्त की

नारकॉटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने गुप्त तरीके से चल रही तीन दवा प्रयोगशालाओं का भंडाफोड़ किया

नई दिल्ली 27 अप्रैल (वार्ता) नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने गुजरात पुलिस के आतंकवाद रोधी दस्ते के साथ मिलकर गुजरात और राजस्थान में नशीली दवा बनाने वाली तीन अत्याधुनिक गुप्त प्रयोगशालाओं का भंडाफोड़ कर 300 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की दवा जब्त की हैं।

ब्यूरो ने शनिवार को जारी विज्ञिप्त में बताया कि इस संयुक्त कार्रवाई में मुख्य रूप से मेफेड्रोन नाम की नशीली दवा बनाने वाली तीन गुप्त प्रयोगशालाओं का भंडाफोड़ किया गया है । ब्यूरो ने कहा है कि अभी चौथी प्रयोगशाला पर छापेमारी जारी है। रात भर कई राज्यों में चले ऑपरेशन में 149 किलोग्राम मेफेड्रोन (पाउडर और तरल रूप में), 50 किलोग्राम एफेड्रिन और 200 लीटर एसीटोन जब्त किया गया। इस अभियान में सात व्यक्ति गिरफ्तार किये गये हैं और सरगना की पहचान कर ली गयी है। अब जांच एजेन्सी इन दवाओं के वितरण से जुड़े नेटवर्क की जांच कर रही है।

आतंकवाद रोधी दस्ते को गुजरात और राजस्थान से संचालित इन गुप्त प्रयोगशालाओं के बारे में जानकारी मिली थी। तीन महीने से अधिक समय तक चले ऑपरेशन में इस नेटवर्क में शामिल व्यक्तियों के साथ-साथ गुप्त प्रयोगशालाओं की पहचान के लिए गहन तकनीकी और जमीनी निगरानी की गई।

- एन.सी.बी. ने तीन संदिग्ध स्थानों, राजस्थान के जालोर जिले के भीनमाल, जोधपुर जिले के ओसियां और गुजरात के गांधीनगर जिले में एक साथ छापेमारी की।
- छापेमारी के दौरान कुल 149 किलोग्राम मेफेड्रोन (पाउडर और तरल रूप में), 50 किलोग्राम एफेड्रिन और 200 लीटर एसीटोन की बरामदगी की गयी। गांधीनगर में पकड़े गए लोगों से पूछताछ के आधार पर अमरेली (गुजरात) में एक और जगह की पहचान की गई है, जहां छापेमारी जारी है।

संयुक्त टीमों ने तीन संदिग्ध स्थानों राजस्थान के जालोर जिले के भीनमाल, जोधपुर जिले के ओसियां और गुजरात के गांधीनगर जिले में एक साथ छापेमारी की। इस दौरान कुल 149 किलोग्राम मेफेड्रोन (पाउडर और तरल रूप में), 50 किलोग्राम एफेड्रिन और 200 लीटर एसीटोन की बरामदगी की गयी। गांधीनगर में पकड़े गए लोगों से पूछताछ के आधार पर अमरेली (गुजरात) में एक और जगह की पहचान की गई है, जहां छापेमारी जारी है।

ब्यूरो ने कहा है कि इस नेटवर्क के सरगना की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इन दवाओं के वितरण नेटवर्क, राष्ट्रीय और साथ ही किसी भी अंतर्राष्ट्रीय लिंकेज को ट्रैक करने और पहचानने का प्रयास भी किया जा रहा है।

मेफेड्रोन, जिसे 4-मिथाइलमेथकैथिनोन, 4-एमएमसी और 4-मिथाइलफेड्रोन के नाम से भी जाना जाता है, एम्फ़ैटेमिन और कैथिनोन वर्गों की एक सिंथेटिक उत्तेजक दवा है। इसे ड्रोन, एम-कैट, व्हाइट मैजिक, 'म्याऊ म्याऊ' और बबल के नाम से भी जाना जाता है।

एक बार फिर ममता बनर्जी चुनाव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के साथ रंगे हाथों न पकड़ा जा सके। रेड और हथियारों के जखीरे की बरामदगी पर तृणमूल कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा कि पार्टी ने चुनाव आयुक्त को लिखा है कि केन्द्रीय एजेंसिया जानबूझकर चुनावी दौर में इस तरह की रेड डाल रही हैं।

पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि हथियार उस स्थान पर स्वयं जांच एजेंसियों ने ही रखे थे ताकि मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके और तृणमूल पार्टी की छवि खराब की जा सके।

पार्टी ने इस बात की शिकायत की है यहां तक कि, केन्द्रीय जांच एजेंसी ने अपने इस अभियान में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एन.एस.सी.) के बम निरोधक दस्ते को भी बुला लिया, जबकि राज्य सरकार पास भी बमों को निष्क्रिय करने वाला विशेषज्ञों का दस्ता है।

- तृणमूल कांग्रेस ने पलटवार किया एन.आई.ए. की टीम के खिलाफ और कहा कि, यह जखीरा टीम द्वारा ही मकान पर रखा गया था तृणमूल को बदनाम करने के लिये।
- तृणमूल ने इस बारे में चुनाव आयोग को शिकायत भी की है।

तृणमूल कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि केन्द्रीय जांच एजेंसियों ने कार्यवाही से पूर्व ही मीडिया को सूचित कर दिया था ताकि राज्य सरकार को इनकी कार्यवाहियों का पता चलने से पहले ही राष्ट्रीय मीडिया में खबरें चलनी शुरू हो जाएं।

इस सप्ताह के प्रारंभ में कलकत्ता हाई कोर्ट ने रोजगार के बदले रिश्वत से संबंधित मामले में राज्य सरकार के आचरण की जांच करने के लिए जांच का आदेश दिया था। साफ है कि राज्य सरकार ने स्कूलों ने नियुक्तियों से संबंधित घोटाले के सबूतों को छिपाने के लिए जानबूझकर आवश्यकता से अधिक पद सृजित किए थे।

इस बीच, जिस हैलीकॉप्टर से ममता बनर्जी यात्रा कर रही थी उसमें वे अचानक गिर गई। ऐसा लगता है जैसे वे चुनाव से पहले वह हमेशा घायल हो जाती हैं। यह उनके लिए एक अच्छा शगुन है चोट लगना-एक चुनाव के दौरान। परन्तु ऐसी घटनाएं उनके साथ अनेकों बार हुई है और यह भी।

चीन पर लगा अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप का आरोप

वॉशिंगटन, 7 अप्रेल। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में चीन दखल देने की कोशिश कर रहा है? इसे लेकर अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यूएस ने चीन की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने और हस्तक्षेप करने के प्रयास के सबूत देखे हैं। मालूम हो कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव इसी साल नवंबर में होना है। इसमें मौजूदा राष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडन और रिपब्लिकन पार्टी के संभावित उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फिर से मुकाबला हो सकता है। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में बाइडन ने ट्रंप को हरा दिया था।

जर्मनी ने भारत को हथियार एक्सपोर्ट करने पर प्रतिबंध हटाया

लंदन, 27 दिसम्बर। जर्मनी ने भारत के लिए हथियारों की बिक्री से प्रतिबंध हटा लिया है। जर्मनी ने कहा है कि वह भारत को अपवाद के तौर पर मानते हुए छोटे हथियारों की बिक्री पर से प्रतिबंध हटा रहा है। यूरोपीय देश का ये कदम भारत के साथ उसके बढ़ते रणनीतिक और सैन्य संबंधों को दर्शाता है। इससे पहले जर्मनी का अपना एक नियम था। उसने गैर-नाटो देशों को छोटे हथियारों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया था। द इंडियन एक्सप्रेस ने घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों के हवाले से लिखा है कि जर्मनी से छूट मिलने के बाद भारत अब अपनी सेना और राज्य पुलिस बलों के लिए छोटे हथियारों को खरीद सकता है। राजनयिक सूत्रों के अनुसार, जर्मनी ने इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) को उसकी एमपी5 सबमशीन गन के लिए स्पेयर पार्ट्स और अन्य उपकरण खरीदने की अनुमति दी है।

- जर्मनी ने शुरु से ही सभी गैर नाटो देशों को हथियारों की बिक्री को प्रतिबंधित कर रखा था लेकिन भारत को एक "एक्सैप्शन" के तौर पर रखकर इस प्रतिबंध से छूट दे दी गई है।

बता दें कि हेकलर एंड कोच एमपी5 एक सबमशीन गन है जिसे 1960 के दशक में जर्मन हथियार निर्माता हेकलर एंड कोच द्वारा बनाया गया था। खास बात ये है कि यही सबमशीन गन वर्तमान में और भारतीय नौसेना के समुद्री कमांडो द्वारा इस्तेमाल की जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, जर्मनी ने अपने निर्यात लाइसेंसिंग नियमों में भी काफी ढील दी है। इसके चलते पिछले महीने कई भारतीय ऑर्डर को मंजूरी दी गई है। इससे पहले भी, छोटे हथियारों को छोड़कर, 95 प्रतिशत भारतीय खरीद सौदों को मंजूरी दे दी जाती थी, लेकिन प्रक्रिया में समय लगता था, जिससे जर्मनी को इस प्रक्रिया को आसान बनाना पड़ा।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और जर्मनी के बीच रक्षा सहयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय वायु सेना अपने एएन-32 को रिप्लेस करने के लिए 18 से 30 टन की वहन क्षमता वाले मध्यम परिवहन विमान (एमटीए) की तलाश कर रही है, जिसमें जर्मनी सहित कई वैश्विक निर्माता रुचि ले रहे हैं। इसके अलावा, इसी साल अक्टूबर के अंत में, जर्मनी से दो जहाज (संभवत: एक फ्रिगेट और एक टैंकर) एक बड़ी तैनाती के हिस्से के रूप में भारत का दौरा करेंगे।

जालोर-सिरोही...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पारम्परिक मतदाता हैं। इसलिए 62.89 प्रतिशत मतदान होना भाजपा प्रत्याशी के लिए राहत भरी खबर है।

जालोर -सिरोही में चौधरी, देवासी, एस.सी. - एस.टी., ओ.बी.सी. जाति के वोटर अधिक हैं, जिनमें चौधरी, देवासी व ओबीसी भाजपा के वोटर हैं। पूर्व सीएम ने यहाँ प्रचार तो खूब किया, लेकिन वे अपने पुत्र के पक्ष में मतदाताओं को रिझा नहीं पाये। यहाँ तक कहा जा रहा है कि, वे अपनी जाति के वोटरों को भी एक नहीं कर पाये। इस बार चौधरी समाज ने एकजुट होकर अपने भाजपा प्रत्याशी लुम्बाराम चौधरी के पक्ष में जमकर मतदान किया।

इस बार आहोर में 57.01 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि विधानसभा चुनाव में 61.24 प्रतिशत मतदान हुआ था। भीनमाल में 62.38 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि विधानसभा चुनाव में 65.34 प्रतिशत, रानीवाडा में 63.95 प्रतिशत, विधानसभा चुनाव में 77.89 प्रतिशत हुआ था। सांचोर में इस बार 66.14 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि विधानसभा चुनाव में 80.91 प्रतिशत हुआ था। सिरोही में 58.10 प्रतिशत मतदान हुआ, और विधानसभा चुनाव में 66.01 प्रतिशत हुआ था। आबू पिण्डवाडा में 67.22 प्रतिशत मतदान, जबकि विधानसभा चुनाव में 70.06 प्रतिशत मतदान हुआ था। रेवदर में 65.84 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि विधानसभा चुनाव में 69.64 प्रतिशत मतदान हुआ था। जालोर में इस बार 63.19 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि विधानसभा चुनाव में 62.72 मतदान हुआ था। विधानसभा चुनाव की तुलना में लोकसभा चुनाव में स्थानीय नेताओं ने भी रूचि नहीं दिखाई।

- अशोक गहलोत भारी धन राशि खर्च करके भी वैभव के पक्ष में जाति समीकरणों को नहीं साध पाए। अन्य जातियां तो दूर, वे अपनी ही जाति के वोट बैंक को एकजुट नहीं कर पाए।

62.89 प्रतिशत मतदान भाजपा प्रत्याशी को जीत दिला सकता है। भाजपा के कार्यकर्ता व आर.एस.एस. के कार्यकर्ताओं ने अंतिम समय में मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर पहुंचकर मतदान करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पूर्व सीएम ने चौधरी बहुल इस सीट पर अपने पुत्र वैभव की नैया पार करने के लिए पूरा जोर लगाया है। ऐसे कयास भी लगाये जा रहे हैं कि यदि वैभव के पक्ष में प्रचार करने सचिन पायलट आते तो वैभव को नुकसान की बजाय फायदा ही मिलता और कांग्रेस के पक्ष में मत प्रतिशत भी बढ़ता। लेकिन अशोक गहलोत ने अपने स्वाभिमान के खातिर सचिन को जालोर- सिरोही में प्रचार के लिए बुलाना मुनासिब नहीं समझा।

जालोर- सिरोही लोकसभा सीट भाजपा का गढ़ रहा है। वर्ष 2019 के चुनाव में मतदान 65.74 प्रतिशत था जिसमें भाजपा के देवजी पटेल को 56.76 प्रतिशत और कांग्रेस के रतन देवासी को 37.58 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे। कहा जा रहा है कि, देवासी समाज बहुल होने के बाद भी रतन देवासी जीत नहीं पाये, तो पूर्व मु.मंत्री के पुत्र का इस सीट पर जीतना आसान नहीं है। इसलिए गहलोत चिंतित नजर आ रहे हैं।

भूखंड का कब्जा नहीं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आवंटित किया। उसने 25 हजार रुपए जमा करा दिए और 22 मार्च को उसे आवंटन पत्र भी जारी हो गया। उसने 4 अप्रैल, 2013 को 9,36,700 रुपए जमा करा दिए, लेकिन जे.डी.ए. ने कानूनी विवाद के चलते यह भूखंड निरस्त कर 2019 में उसे मौजूदा भूखंड से 25 वर्गमीटर कम क्षेत्रफल का नया भूखंड आवंटित किया, लेकिन इस भूखंड का भी कब्जा नहीं दिया। परिवादी ने इस मामले को उपभोक्ता अदालत में चुनौती देते हुए जे.डी.ए. से जमा राशि हर्जा-खर्चा सहित दिलाने का आग्रह किया। जे.डी.ए ने जवाब में कहा कि, आवासीय योजना में कानूनी विवाद आ गया था और उसका उन पर कोई नियंत्रण नहीं है। अब अमृत कुंज द्वितीय योजना में परिवादी को आवंटन की तैयारी कर रहे हैं। आयोग ने दोनों पक्षों को सुनकर परिवादी के पक्ष में फैसला देकर जे.डी.ए. पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाते हुए उसे जमा राशि ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया है।

सिख समाज की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तरुण चुघ, पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा और दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा भी उपस्थित थे। लोकसभा चुनावों के पहले इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम में सिख समाज के लगभग एक हजार प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने एक साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अटूट विश्वास करते हुए भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इन लोगों में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्य भूपेन्द्र सिंह गिन्नी, रमनदीप सिंह थापर, परविंदर सिंह लक्की, मंजीत सिंह औलख, रमनज्योत सिंह, जैस्मीन सिंह नौनी और हरजीत सिंह पप्पा भी इस अवसर पर भाजपा परिवार में शामिल हुए। भाजपा में शामिल होने वाले सभी सदस्यों को सदस्यता की पर्ची देकर और पट्टिका पहना कर भाजपा परिवार में शामिल किया गया। सभी ने एक स्वर में देश की विकास यात्रा में योगदान देने का अपना संकल्प दोहराया।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्यों का भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का सिख समुदाय के प्रति सदैव विशेष लगाव रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के जन कल्याणकारी और विकास कार्यों से प्रभावित हो कर हर वर्ग और हर समुदाय के लोग भाजपा से जुड़ रहे हैं। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्यों समेत सभी लोग प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में योगदान देना चाहते हैं।

‘कुछ निहित राजनीतिक स्वार्थ वाले एन.जी.ओ भारत की प्रगति में रोड़ा बन रहे हैं’

नई दिल्ली, 27 अप्रेल। ईवीएम और वीवीपैट को लेकर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जिसमें सर्वोच्च अदालत ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में विश्वास जताया। कोर्ट ने शुक्रवार हर वोट के वेरिफिकेशन की मांग को लेकर दायर अर्जियों को खारिज कर दिया। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) पर गंभीर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि निहित स्वार्थी समूह ने ईवीएम को बदनाम करने और चुनावी प्रक्रिया पर नकारात्मक प्रभाव डालने का प्रयास किया है।

- सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी आंकड़े जारी करने वाले एन.जी.ओ. एसोसिएशन फॉर डैमोक्रैटिक रिफॉर्म पर गंभीर सवाल उठाये
- जस्टिस दीपांकर दत्ता ने ई.वी.एम.-वी.वी-पैट पर फैसले के दौरान कहा कि, हाल के वर्षों में कुछ निहित स्वार्थी समूहों की ओर से एक प्रवृत्ति तेजी से विकसित हो रही है, जो राष्ट्र की उपलब्धियों को कम करने की कोशिश कर रही है।

जस्टिस दीपांकर दत्ता ने ईवीएम-वीवीपैट पर फैसले के दौरान कहा कि हाल के वर्षों में कुछ निहित स्वार्थी समूह की ओर से एक प्रवृत्ति तेजी से विकसित हो रही, जो राष्ट्र की उपलब्धियों को कम करने की कोशिश कर रही। ऐसा लगता है कि हर संभव मोर्चे पर इस महान राष्ट्र की प्रगति को बदनाम करने, कम करने और कमजोर करने का एक ठोस प्रयास किया जा रहा है। इस तरह के किसी भी प्रयास को शुरुआत में ही खत्म कर दिया जाना चाहिए। कोई भी संवैधानिक अदालत तो बिल्कुल भी इस तरह के प्रयास को तब तक सफल नहीं होने देगी, जब तक कि मामले में उसकी बात मानी जाती है। कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद एडीआर चर्चा में आ गया। आइये जानते हैं क्या है एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स भारत में एक गैर-लाभकारी संगठन है। ये ऐसा समूह है जो चुनाव सुधारों पर ध्यान केंद्रित करता है। भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद के प्रोफेसरों के एक ग्रुप ने 1999 में इसकी स्थापना की थी। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, भारत की राजनीतिक और चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही की वकालत करने में अहम रोल निभाता रहा है। पिछले दो दशकों के दौरान कोर्ट में एडीआर के हस्तक्षेप से कई महत्वपूर्ण चुनावी सुधार हुए हैं।

अजमेर में भाजपा के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर हुए उपचुनाव में सचिन पायलट की पैरवी के बाद कांग्रेस नेता डॉ. रघु शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया था। इस उपचुनाव में सचिन पायलट ने जी जान से रघु शर्मा के लिए मेहनत की और उसी का नतीजा था कि, मोदी लहर होने के बावजूद कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. रघु शर्मा विजयी हुए थे। अजमेर लोकसभा क्षेत्र में सबसे अधिक मतदान शहरी क्षेत्र में हुआ है। अजमेर शहर में कांग्रेस कार्यकर्ता भी दो फाड़ में बंटे हुए नज़र आते हैं एक ओर निवर्तमान शहर अध्यक्ष विजय जैन, हेमन्त भाटी, प्रताप यादव, महेन्द्र सिंह रलावता पायलट के खेमें में माने जाते हैं वहीं, पूर्व आर.टी.डी.सी. चैयरमैन धर्मेन्द्र राठौड़, गोपाल बाहेती, द्रोपदी कोली, नौरत गुर्जर आदि ने गहलोत का दामन थामा हुआ है। आम मतदाताओं की बात की जाए तो शहरी मतदाताओं में स्थानीय मुद्दे गौण होते हुए नज़र आए और लोगों ने राम मंदिर व राष्ट्रवाद के मुद्दे पर मतदान किया है।

केन्द्रीय सरकार में प्रमुख भूमिका मिलेगी शिवराज सिंह चौहान को?

प्रधानमंत्री मोदी ने एक रैली के दौरान कहा था कि, वे शिवराज सिंह चौहान को दिल्ली, ले जाना चाहते हैं, प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद कयासों का बाजार गर्म है

भोपाल, 27 अप्रेल। मध्य प्रदेश के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले और भाजपा के कद्दावर नेता शिवराज सिंह चौहान की राष्ट्रीय राजनीति में शानदार एंट्री होने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद ही इसका हिंट दिया है। एक रैली के दौरान उन्होंने कहा था कि वह शिवराज सिंह चौहान को दिल्ली यानी कि केंद्र में ले जाना चाहते हैं। प्रधानमं के इस बयान के बाद कयासों का बाजार गर्म है।

आपको बता दें कि, शिवराज सिंह चौहान विदिशा से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। इस शहर को उनका गढ़ माना जाता है। यहां उनका मुकाबला कांग्रेस के प्रताप भानु शर्मा से है। 1980 और 1984 में आपातकाल के बाद इंदिरा गांधी की जीत और बाद में उनकी मृत्यु के कारण पैदा हुई सहानुभूति लहर के दम पर यह सीट जीती थी। 1967 में अस्तित्व में आने के बाद ये केवल दो मौके थे जब कांग्रेस ने यह सीट जीती।

24 अप्रैल को मध्य प्रदेश के हरदा में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने शिवराज सिंह चौहान की प्रशंसा करते हुए कहा कि पार्टी संगठन में हो या फिर मुख्यमंत्री रहते हुए, हमने साथ-साथ काम किया है। पीएम मोदी ने रैली में कहा, "जब शिवराज संसद गए थे, तब मैं पार्टी महासचिव के रूप में साथ काम कर रहा था। अब मैं उन्हें एक बार फिर अपने साथ दिल्ली ले जाना चाहता हूं।"

- गौरतलब है कि, शिवराज सिंह चौहान विदिशा से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। इस शहर को उनका गढ़ माना जाता है। यहां उनका मुकाबला कांग्रेस के प्रताप भानु शर्मा से है।

आपको बता दें कि पिछले साल संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने मध्य प्रदेश में शानदार जीत दर्ज की थी। इसमें शिवराज सिंह चौहान का भी अहम योगदान था। हालांकि, उन्हें इस चुनाव में सीएम उम्मीदवार नहीं घोषित किया गया था। भगवा पार्टी ने चौंकाते हुए मोहन यादव को उनके उत्तराधिकारी के रूप में चुना।

शिवराज सिंह चौहान अपना छठा लोकसभा चुनाव विदिशा से लड़ रहे हैं। इस सीट का प्रतिनिधित्व दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी (1991) और सुषमा स्वराज (1991, 2009 और 2014) जैसे भाजपा के दिग्गज नेता कर चुके हैं। रामनाथ गोयनका 1971 में इस सीट से सांसद चुने गए थे।

अपने नाम की घोषणा के बाद शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह सीट उन्हें वाजपेयी ने सौंपी थी और यह खुशी की बात है कि उन्हें 20 साल बाद फिर से इसका प्रतिनिधित्व करने का मौका मिल रहा है। चौहान ने कहा था, भाजपा मेरी मां है, जिसने मुझे सब कुछ दिया है।

वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक पर्यवेक्षक रशीद किदवई ने बताया कि भाजपा को अपने वैचारिक संरक्षक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दबाव में शिवराज सिंह चौहान को इस सीट से मैदान में उतारने के लिए मजबूर होना पड़ा। किदवई ने कहा, "यह एक खुला रहस्य है कि शिवराज की लोकप्रियता को जांचने की मांग की गई थी, लेकिन आरएसएस और महिला मतदाताओं के दबाव में भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री को मैदान में उतारने का फैसला किया।"

उन्होने कहा, "वह भारी अंतर से जीतने के लिए तैयार हैं। यदि वह राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़े अंतर से जीतते हैं तो इसकी खूब चर्चा होगी। इस सीट की तुलना वाराणसी, गांधीनगर, लखनऊ और अन्य सीटों पर हार-जीत के अंतर से की जाएगी।किदवई ने कहा कि हालांकि यह देखना बाकी है कि शिवराज पीएम मोदी और अमित शाह की व्यवस्था में कैसे फिट बैठते हैं।

आपको बता दें कि विदिशा लोकसभा सीट के आठ विधानसभा सीटों में से सात पर वर्तमान में भाजपा का कब्जा है। 2009 के लोकसभा चुनाव में सुषमा स्वराज करीब 3.90 लाख वोटों के बड़े अंतर से जीत हासिल की थी।

मणिपुर में उग्रवादी हमले में सी.आर.पी.एफ के दो जवान शहीद

इंफाल, 27 अप्रैल (वार्ता) मणिपुर के नारानसेना इलाके में शनिवार को संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के हमले में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान शहीद हो गए और चार अन्य घायल हो गए।

- कुकी उग्रवादियों ने सी.आर.पी.एफ के जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी की।

पुलिस ने कहा कि आतंकवादियों ने बिष्णुपुर जिले के मोइरंग पुलिस थाना क्षेत्र में नारायणसेना के एक गांव में कथित तौर पर सीआरपीएफ कर्मियों पर गोलीबारी करते हुए आधी रात को हमला किया।

कुकी आतंकवादियों ने नारायणसेना में सीआरपीएफ के बी/128 बीएन शिविर की ओर बम फेंके और गोलीबारी की।

विस्फोट में इंस्पेक्टर जादव दास, एसआई एन सरकार, एचसी अरूप सैनी और सीटी आफताब हुसैन सहित चार कर्मी घायल हो गए, जबकि एसआई/जीडी एन साकार और एचसी/जीडी अरूप सैनी की मौत हो गई। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908